भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

05.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2853 का उत्तर

तमिलनाडु में नई रेललाइन परियोजनाएं

2853. श्री बी. मणिक्कम टैगोर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने हाल के वर्षों में तमिलनाडु में नई रेललाइन परियोजनाओं को स्वीकृति दी है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इनकी कुल लंबाई कितनी है और लागत कितनी है और इसमें शामिल ज़िले कौन-कौन से हैं;

(ख) क्या स्वीकृत की गई रेललाइनों का केवल कुछ भाग ही अब तक पूरा हुआ है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसमें विलंब के कारण क्या हैं तथा इसके पूरा होने की समय-सीमा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने तमिलनाडु में दोहरीकरण, आमान परिवर्तन और अनेक पटरी बिछाए जाने जैसी रेल विस्तार परियोजनाओं पर कार्य किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसकी वर्तमान स्थिति क्या है;

(घ) क्या सरकार ने तमिलनाडु में नए रेल संपर्क के लिए ऐसे ज़िलों को चिह्नित किया है जहाँ रेलवे सुविधा नहीं है या कम है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में की गई कार्रवाई क्या है; और

(ङ) क्या चल रही रेल परियोजनाओं का उद्देश्य तमिलनाडु में औद्योगिक और पत्तन क्षेत्रों तक संपर्क को बेहतर बनाना है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके अपेक्षित आर्थिक लाभ क्या हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ):

<u>तमिलनाडु:-</u>

<u>रेल बजट:-</u>

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः

पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों हेतु बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	879 करोड़ रुपए/वर्ष
2026-27	7,611 करोड़ रुपए (8 गुना से अधिक)

<u>रेलपथ निर्माण:</u>

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथ के निर्माण का विवरण निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ
2009-14	923 किमी
2014-26	1,356 किमी

<u>स्वीकृत परियोजनाएं:-</u>

01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 27,282 करोड़ रुपए की लागत वाली कुल 1,874 किलोमीटर लंबाई की 19 परियोजनाएं (8 नई लाइन, 03 आमान परिवर्तन और 08 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं। सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2026 तक व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	8	811	24	1,514
आमान परिवर्तन	3	748	631	3,605
दोहरीकरण/बहुपथन	8	314	54	3,693
कुल	19	1,874	709	8,811

<u>हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:-</u>

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएं, जिन्हें हाल ही में पूरा किया गया है, का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	डिंडीगुल-पोल्लाच्चि आमान परिवर्तन (121 किलोमीटर)	610
2	पोल्लाच्चि-पालघाट आमान परिवर्तन (56 किलोमीटर)	350

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
3	पोल्लाच्चि-पोत्तनूर आमान परिवर्तन (40 किलोमीटर)	400
4	कोल्लम-तिरुचेंदुर आमान परिवर्तन (357 किलोमीटर)	1,122
5	मयिलादुतुरई-कारैक्कुडि आमान परिवर्तन (187 किलोमीटर)	1,338
6	मदुरै-बोडियाकन्नूर आमान परिवर्तन (90 किलोमीटर)	593
7	चेंगलपट्टू विल्लुपुरम दोहरीकरण (102 किलोमीटर)	670
8	तिरुवल्लुर-अराक्कोनम चौथी लाइन (27 किलोमीटर)	83
9	तंजावुर-पोनमलाई दोहरीकरण (48 किलोमीटर)	370
10	विल्लुपुरम-डिंडीगुल दोहरीकरण (273 किलोमीटर)	2,000
11	चेन्नै बीच-अट्टीपट्टू चौथी लाइन (22 किलोमीटर)	293
12	ओमलुर-मेत्तूरडैम खंडश: दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	327
13	चेंगलपट्टू-विल्लुपुरम और तांबरम-चेंगलपट्टू - तीसरी लाइन (133 किलोमीटर)	1,122
14	सेलम-ओमालुर दोहरीकरण (11 किलोमीटर)	115
15	मदुरै-तूतीकोरिन दोहरीकरण (160 किलोमीटर)	1,891
16	मनियाची-नागरकोइल दोहरीकरण (102 किलोमीटर)	1,752
17	चेन्नै बीच - चेन्नै एग्मोर दोहरीकरण (4 किलोमीटर)	272

<u>चालू परियोजनाएं:-</u>

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएं शुरू की गई हैं, जो निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	तिण्डिवनम-नगरि नई लाइन (184 कि.मी.)	3,631
2	मोरप्पूर-धर्मापुरी नई लाइन (36 कि.मी.)	359

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
3	त्रिवेंद्रम-कन्याकुमारी दोहरीकरण (87 कि.मी.)	4,494
4	इरुगूर-पोत्तनूर दोहरीकरण (11 कि.मी.)	277
5	ताम्बरम-चेंगलपट्टु चौथी लाइन (30 कि.मी.)	757
6	अत्तिपट्टु-गूम्मिडिपूण्डी तीसरी और चौथी लाइन (23 कि.मी.)	365
7	तिरुपति-काटपडी दोहरीकरण (105 कि.मी.)	1,216
8	तिण्डिवनम-तिरुवण्णामलै नई लाइन (71 कि.मी.)	1,400
9	अत्तिपट्टु-पुत्तूर नई लाइन (88 कि.मी.)	1,700
10	चेन्नै-कुड्डालोर नई लाइन (179 कि.मी.)	2,670
11	बैयप्पनहल्लि से होसुर दोहरीकरण (48 कि.मी.)	1,160
12	अरक्कोणम-चेंगलपट्टू दोहरीकरण (68 कि.मी.)	993
13	ईरोड-करुर दोहरीकरण (67 कि.मी.)	986

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुका हुआ है। तमिलनाडु में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार है:

तमिलनाडु में परियोजनाओं के लिए कुल अपेक्षित भूमि	4,612 हेक्टेयर
अधिगृहीत की गई भूमि	1,178 हेक्टेयर (26%)
अधिग्रहण हेतु शेष भूमि	3,434 हेक्टेयर (74%)

भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने के लिए तमिलनाडु सरकार के सहयोग की आवश्यकता है।

भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित हुई कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

क्र.सं	परियोजना का नाम	कुल अपेक्षित भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत की गई भूमि (हेक्टेयर में)	अधिग्रहण हेतु शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1.	तिंडीवनम-तिरुवण्णामलै नई लाइन (71 किलोमीटर)	276	33	243

2.	अतिपट्टू-पुत्तुर नई लाइन (88 किलोमीटर)	189	0	189
3.	मोरप्पुर-धर्मपुरी नई लाइन (36 किलोमीटर)	93	47	46
4.	मन्नारगुडी-पट्टुकोट्टई नई लाइन (41 किलोमीटर)	204	0	204
5.	तंजावूर-पट्टुकोट्टई नई लाइन (52 किलोमीटर)	152	0	152

इसके अलावा, रामेश्वरम-धनुष्कोडि नई लाइन (18 कि.मी.) को 734 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृत किया गया था। 01.03.2019 को परियोजना की आधारशिला रखी गई थी। बहरहाल, परियोजना शुरू नहीं हो सकी क्योंकि तमिलनाडु राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण नहीं किया गया है।

भारत सरकार परियोजनाओं के निष्पादन के लिए तैयार है, बहरहाल, इनकी सफलता तमिलनाडु सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

पिछले तीन वर्षों अर्थात 2023-24, 2024-25, 2025-26 और वर्तमान वित्त वर्ष 2026-27 में, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुल 3,517 कि.मी. लंबाई वाले 29 सर्वेक्षण (04 नई लाइन और 25 दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं।

इसके अलावा, तमिलनाडु राज्य में सम्पर्कता को और अधिक बेहतर बनाने के लिए निम्नलिखित प्रमुख सर्वेक्षण किए गए हैं:-

क्र.सं.	परियोजना	लंबाई (कि.मी. में)
1	तिण्डिवनम-सेदारापेट नई लाइन	38
2	विल्लुपुरम-तिरुचिरापल्ली-नागरकोइल तीसरी और चौथी लाइन	565
3	अरक्कोणम-जोलारपेट्टई तीसरी और चौथी लाइन	407
4	कोयम्बत्तूर-षोरणूर तीसरी और चौथी लाइन	99
5	जोलारपेट्टई-कोयम्बत्तूर तीसरी और चौथी लाइन	282

6	तंजावूर-तिरुवरुर-कारैक्काल दोहरीकरण	96
7	अरक्कोणम-चेंगलपट्टू दोहरीकरण	68
8	विल्लुपुरम-मयिलादुथुराई-तंजावुर दोहरीकरण	193
9	अरक्कोणम-रेनिगुंटा तीसरी और चौथी लाइन	77
10	गुम्मिडिपूंडी-सुल्लुरुपेटा तीसरी और चौथी लाइन	90
11	बंगारपेटे-जोलारपेट्टई तीसरी और चौथी लाइन	73
12	पेरम्बलुर के रास्ते अरियलूर-नमक्कल नई लाइन	116

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- अनुमानित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा प्रदान की गई पहली और अंतिम स्थान पहुंच संपर्कता
- अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना
- संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्धन
- राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गईं मांगें
- रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ
- सामाजिक-आर्थिक महत्व
- निधियों की समग्र उपलब्धता

रेल अवसंरचना परियोजनाएं क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को सक्षम बनाती हैं, जिसमें शामिल हैं:

- देश के अन्य हिस्सों के साथ क्षेत्र का बेहतर एकीकरण
- वस्तुओं और सेवाओं की तीव्र आवाजाही
- संभार तंत्र दक्षता में सुधार लाना
- लाइन क्षमता बढ़ाना
- क्षेत्र के व्यक्तियों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना
- परिचालनिक बाधाएं कम करना
- क्षेत्र में पर्यटन उद्योग का विकास और औद्योगिक गतिविधियों में वृद्धि।

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण**
- **वन संबंधी स्वीकृति**
- **अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ**
- **क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति**
- **विशिष्ठ परियोजना स्थल के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।**

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के पूरा होने के समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

****